PART-1

पुनर्जागरण काल की भौगोलिक उपलब्धियाँ

भाग:-3

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल की भौगोलिक उपलब्धियाँ (Geographical Achievements in Renaissance Period)

पुनर्जागरण काल की मुख्य तीन भौगोलिक उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:-

3. विश्व भूगोल या सामान्य भूगोल की रचना- सोलहवीं और सन्नहवीं शताब्दयों में कुछ भूगोलवेत्ताओं ने विश्व का भूगोल लिखा था। सर्वप्रथम सेबास्टियन मुस्टर ने अपने सहयोगियों की सहायता से छः खण्डों में विश्व भूगोल (Cosmography Universal) लिखा था । जो 1544 में प्रकाशित हुई थी। क्लूवेरियस द्वारा लैटिन भाषा में लिखित 'विश्व भूगोल का परिचय' (An Introduction to Univaral Geography) का प्रकाशन छः खण्डों में 1616 से 1624 के बीच हुआ था। कार्पेटर ने अंग्रेजी भाषा में विश्व भूगोल'

(Universal Geography) लिखा जो 1625 में प्रकाशित हुई। सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक वारेनियस द्वारा लिखी गयी 'सामान्य भूगोल' (Geographia Generalis) को माना जाता है जो 1650 में प्रकाशित हुई थी इसमें सम्पूर्ण विश्व को एक इकाई मानकर विभिन्न भीगोलिक तथ्यों (भौतिक एवं सांस्कृतिक दोनों) का अध्ययन क्रमबद्ध रीति (Systematic method) से किया गया था।